

अनुक्रमांक/Roll No.

0	0	0			
---	---	---	--	--	--

M.P. H.J.S. (L.C.E.) – 2021**प्रथम प्रश्न-पत्र
1st QUESTION PAPER**समय – 2:00 घण्टे
Time – 2:00 Hoursपूर्णांक – 100
Maximum Marks – 100कुल प्रश्नों की संख्या : 100
Total No. of Questions: 100मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 35
No. of Printed Pages : 35

निर्देश : –

Instruction :-

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। All questions are compulsory.
- सभी प्रश्न के अंक समान हैं। All questions shall carry equal Marks.
- प्रश्न पत्र में प्रश्नों की निर्धारित संख्या 100 हैं। परीक्षार्थी आश्वस्त हो लें कि उसके प्रश्न-पत्र में निर्धारित संख्या में प्रश्न मुद्रित है, अन्यथा वह दूसरा प्रश्न पत्र मांग लें।
The question paper contains 100 questions. The examinee should verify that the requisite number of questions are printed in the question paper, otherwise he/she should ask for another question paper.
- प्रश्न पत्र के आवरण पृष्ठ पर प्रश्न-पत्र में लगे पृष्ठों की संख्या दी गई। परीक्षार्थी आश्वस्त हो लें कि उसके प्रश्न-पत्र में निर्धारित संख्या में पृष्ठ लगे हैं, अन्यथा वह दूसरा प्रश्न-पत्र मांग लें।
The cover page indicates the number of pages in the question paper, The examinee should verify that the requisite number of pages are attached in the question paper, otherwise he/she should ask for another question paper.
- प्रदत्त उत्तर शीट पर दिये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा अपने उत्तर तदनुसार अंकित करें।
Read carefully the instructions given on the answer sheet supplied and indicate your answers accordingly.
- कृपया उत्तरशीट पर निर्धारित स्थानों पर निर्धारित प्रविष्टियां कीजिये, अन्य स्थानों पर नहीं।
Kindly make the necessary entries on the answer sheet only at the places indicated and nowhere else.
- यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतरों में से अंग्रेजी रूपांतर मानक माना जायेगा।
If there is any sort of mistake either of printing or of factual nature in any question, then out of the Hindi and English versions of the question, the English version will be treated as standard.
- ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
There shall be no negative marking.

LAW LEXICON & MAXIMS

- Que.1 "Causa sine qua non" means.
(a) The immediate cause
(b) The liability of respondent is superior
(c) A cause without which the effect would not have been caused
(d) The immediate not remote cause.
- Que.2 "Delegata potestas non potest delegari" means.
(a) Either (c) or (d)
(b) A delegated authority cannot be redelegated.
(c) Delegated powers can be further delegated.
(d) Delegate to the protest march
- Que.3 "Falsus in uno, falsus in omnibus" means.
(a) Speak truth once and for all.
(b) False is generally accepted but not in India.
(c) False in one thing does not mean false in all.
(d) False in one thing, false in all.
- Que.4 "Bonae fidei emptor" means.
(a) A model purchaser
(b) A purchaser in bad faith
(c) A purchaser in good faith
(d) None of these
- Que.5 "Nemo iudex in causa sua" means.
(a) No one should be a judge in his own cause.
(b) Every one should be a judge in his own cause.
(c) Depends on the situation.
(d) (b) & (c) both

GENERAL ENGLISH

- Que.6 Synonym of Exhort
(a) Weak Plea
(b) To urge strongly
(c) Beg
(d) Borrow
- Que.7 Select the word which is most nearly opposite in meaning as the word

“FORBID”:-

- (a) Forgive
- (b) Allow
- (c) Refuse
- (d) Deprive

- Que.8 If, I were you, I ----- be careful with my words.
- (a) will
 - (b) would
 - (c) shall
 - (d) should
- Que.9 What is the meaning of the word Amnesty?
- (a) Making larger
 - (b) An official pardon for a group of people who have violated a law or policy.
 - (c) Something said or written in reply
 - (d) Open to more than one interpretation
- Que.10 Dubious means-
- (a) Dramatic performance
 - (b) Dumb witness
 - (c) Full of doubt; uncertain
 - (d) Drunkenness
- Que.11 The word Genocide denotes :
- (a) Extradition
 - (b) Perfectionism
 - (c) Massacre
 - (d) Totalitarian democracy
- Que.12 Antonyms of word **Abundant** is ...
- (a) Awake
 - (b) Faulty
 - (c) Lethargy
 - (d) Scarce
- Que.13 What is the plural of proof ?
- (a) Prooves
 - (b) Proofs
 - (c) Proof

(d) None of these

- Que.14 Mark the part with error:-
The cows knows/ that if they were / together, no predator / could attack them.
- (a) The cows knows
 - (b) that if they were
 - (c) together, no predator
 - (d) could attack them
- Que.15 Choose antonyms. "**Abjure**" :-
- (a) Acknowledge
 - (b) Disown
 - (c) Deny
 - (d) Hate

BASICS OF COMPUTER

- Que.16 Ctrl, Shift and Alt are called keys.
- (a) modifier
 - (b) function
 - (c) alphanumeric
 - (d) adjustment
- Que.17 HTTP stands for?
- (a) Hyper Text Transfer Protocol.
 - (b) Hyper Timed Text Transfer Protocol.
 - (c) Hyper Transfer Text Protocol.
 - (d) Hyper Text Timer Protocol.
- Que.18 A word on a web page which opens other documents when click on it is a
- (a) Anchor
 - (b) Hyperlink
 - (c) Reference
 - (d) URL
- Que.19 URL stands for
- (a) Uniform Resource Locator
 - (b) Uniform Resource Library
 - (c) United Resource Locators

(d) None of above

- Que.20 Pascal
- (a) is a computer language
 - (b) is a unit of computer
 - (c) is a computer operating system
 - (d) a type of computer

I.P.C., CR.P.C. & EVIDENCE ACT

- प्र.क्र.21 निम्न में से किन मामलों में उद्घोषणा जारी करने के साथ ही साथ कुर्की का आदेश दिया जा सकता है?
- (अ) यदि उद्घोषणा जारी करते समय न्यायालय का शपथ पत्र या अन्यथा यह समाधान हो जाता है कि वह व्यक्ति जिसके संबंध में उद्घोषणा निकाली जानी है अपनी समस्त संपत्ति या उसके किसी भाग का व्ययन करने वाला है.
 - (ब) यदि उद्घोषणा जारी करते समय न्यायालय का शपथ पत्र या अन्यथा यह समाधान हो जाता है कि वह व्यक्ति जिसके संबंध में उद्घोषणा निकाली जानी है अपनी समस्त संपत्ति या उसके किसी भाग को उस न्यायलय की स्थानीय अधिकारिता से हटाने वाला है
 - (स) या तो (अ) या (ब)
 - (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

- Que. In which of the following cases, an order of proclamation and attachment can be issued simultaneously?
- (a) if at the time of the issue of the proclamation the court is satisfied, by affidavit or otherwise, that the person in relation to whom the proclamation is to be issued is about to dispose of the whole or any part of his property.
 - (b) if at the time of the issue of the proclamation the court is satisfied, by affidavit or otherwise, that the person in relation to whom the proclamation is to be issued is about to remove the whole or any part of his property from the local jurisdiction of the court.
 - (c) Either (a) or (b)
 - (d) None of the above

- प्र.क्र.22 अपराधिक मानव वध वंश है और हत्या उसकी प्रजाति है। यह कथन है—
- (अ) सही
 - (ब) गलत
 - (स) आंशिक सही
 - (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

- Que. 'A culpable homicide is the genus, and murder its species'. The statement is

- (a) True
- (b) False
- (c) Partly correct
- (d) None of the above

- प्र.क्र.23 उस व्यक्ति के बारे में यह कहा जाता है कि वह व्यक्ति मिथ्या दस्तावेज या मिथ्या इलेक्ट्रानिक अभिलेख रचता है—जो बेईमानी से या कपटपूर्वक इस आशय से कि यह विश्वास किया जाए कि ऐसी दस्तावेज या दस्तावेज के भाग, इलेक्ट्रानिक अभिलेख या इलेक्ट्रानिक चिन्हक की रचना, हस्ताक्षरण, मुद्रांकन, निष्पादन, सम्प्रेषण या संयोजन ऐसे व्यक्ति द्वारा या ऐसे व्यक्ति के प्राधिकार द्वारा किया गया था, जिसके द्वारा या जिसके प्राधिकार द्वारा उसकी रचना, हस्ताक्षरण, मुद्रांकन या निष्पादन, सम्प्रेषण या संयोजन न होने की बात वह जानता है, अथवा
- (अ) किसी दस्तावेज को या दस्तावेज के भाग को रचित, हस्ताक्षरित, मुद्रांकित या निष्पादित करता है,
 - (ब) किसी इलेक्ट्रानिक अभिलेख को या इलेक्ट्रानिक अभिलेख के भाग को रचित या सम्प्रेषित करता है,
 - (स) किसी इलेक्ट्रानिक अभिलेख पर कोई इलेक्ट्रानिक चिन्हक करता है, किसी दस्तावेज का निष्पादन या इलेक्ट्रानिक चिन्हक की प्रमाणिकता द्योतन करने वाला कोई चिन्ह लगाता है,
 - (द) उपरोक्त में से कोई भी

- Que. A person is said to make a false document or false electronic record – Who dishonestly or fraudulently and with the intention of causing it to be believed that such document or a part of document, electronic record or digital signature was made, signed, sealed, executed, transmitted or affixed by or by the authority of a person by whom or by whose authority he knows that it was not made, signed, sealed, executed or affixed
- (a) Makes, signs, seals or executes a document or part of a document
 - (b) Makes or transmits any electronic record or part of any electronic record
 - (c) Affixes any digital signature on any electronic record; or makes any mark denoting the execution of a document or the authenticity of the digital signature
 - (d) Any of the above

- प्र.क्र.24 क एक व्यापारी अपने दिवाले का पूर्वानुमान करके अपनी चीजवस्तु ख के पास क के फायदे के लिए और अपने लेनदारों को कपटवंचित करने के आशय से रख देता है, और प्राप्त मूल्य के बदले में, ख को एक धनराशि देने के लिए अपने को आबद्ध करते हुए, एक वचनपत्र उस संव्यवहार की सच्चाई की रंगत देने के लिए लिख देता है, और इस आशय से कि यह विश्वास कर लिया जाए कि यह वचनपत्र उसने उस समय से पूर्व ही लिखा था जब उसका दिवाला निकलने वाला था, उस पर पहले की तारीख डाल देता है।
- (अ) क ने कूटरचना की है

- (ब) क ने कूटरचना नहीं की है
 (स) क केवल दीवानी दायित्व के लिए जिम्मेदार है
 (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. *A*, a trader, in anticipation of insolvency, lodges effects with *B* for *A*'s benefit, and with intent to defraud his creditors; and in order to give a colour to the transaction, writes a promissory note binding himself to pay to *B* a sum for value received, and ante-dates the note, intending that it may be believed to have been made before *A* was on the point of insolvency.

- (a) *A* has committed forgery
 (b) *A* has not committed forgery
 (c) *A* is liable for civil liability only
 (d) None of the above.

प्र.क्र.25 निम्नलिखित में से कौन सी शर्तों को कंप्यूटर आउटपुट को स्वीकार्य बनाने के लिए सूचना और कंप्यूटर के संबंध में संतुष्ट होना है, बिना किसी सबूत या मूल को पेश किये बिना, मूल की किसी भी सामग्री के सबूत के रूप में या उसमें बताए गए किसी भी तथ्य के सबूत के रूप में प्रत्यक्ष साक्ष्य स्वीकार्य होगा?

- (अ) सूचना से युक्त कम्प्यूटर निर्गम, कम्प्यूटर द्वारा उस अवधि के दौरान उत्पादित किया गया था जिसमें उस व्यक्ति द्वारा, जिसका कम्प्यूटर के उपयोग पर विधिपूर्ण नियंत्रण था, उस अवधि में नियमित रूप से किए गए किसी क्रियाकलाप के प्रयोजन के लिए, सूचना भंडारित करने या प्रसंस्करण करने के लिए नियमित रूप से कम्प्यूटर का उपयोग किया गया था।
 (ब) उक्त अवधि के दौरान, इलेक्ट्रानिक अभिलेख में अंतर्विष्ट किस्म की सूचना या उस किस्म की जिससे इस प्रकार अंतर्विष्ट सूचना व्युत्पन्न की जाती है, उक्त क्रियाकलापों के सामान्य अनुक्रम में कम्प्यूटर में नियमित रूप से भरी गई थी
 (स) उक्त अवधि के महत्वपूर्ण भाग में आद्योपांत, कम्प्यूटर समुचित रूप से कार्य कर रहा था अथवा, यदि नहीं तो, उस अवधि के उस भाग की बाबत, जिसमें कम्प्यूटर समुचित रूप से कार्य नहीं कर रहा था या वह उस अवधि में प्रचालन में नहीं था, ऐसी अवधि नहीं थी जिसमें इलेक्ट्रानिक अभिलेख या उसकी अंतर्वस्तु की शुद्धता प्रभावित होती हो; और इलेक्ट्रानिक अभिलेख में अंतर्विष्ट सूचना ऐसी सूचना से पुनः उत्पादित या व्युत्पन्न की जाती है, जिसे उक्त क्रियाकलापों के सामान्य अनुक्रम में कम्प्यूटर में भरा गया था।
 (द) उपरोक्त सभी

Que. Which of the following conditions are to be satisfied in relation to the information and computer in question to make a computer output admissible, without further proof or production of the original, as evidence of any contents of the original or of any fact stated therein of which direct evidence would be admissible?

- (a) The computer output containing the information was produced by the computer during the period over which the computer was used regularly to store or process information for the purposes of any

activities regularly carried on over that period by the person having lawful control over the use of the computer

- (b) During the said period, information of the kind contained in the electronic record or of the kind from which the information so contained is derived was regularly fed into the computer in the ordinary course of the said activities
- (c) Throughout the material part of the said period, the computer was operating properly or, if not; then in respect of any period in which it was not operating properly or was out of operation during that part of the period, was not such as to affect the electronic record or the accuracy of its contents; and the information contained in the electronic record reproduces or is derived from such information fed into the computer in the ordinary course of the said activities.
- (d) All of the above

प्र.क्र.26 ऐसा कोई तथ्य साबित किया जा सकेगा, जो किसी दस्तावेज को अविधिमान्य बना दे या जो किसी व्यक्ति को तत्संबंधी किसी डिक्री या आदेश का हकदार बना दे यथा

- (अ) कपट, अभिप्रेत, अवैधता,
- (ब) सम्यक् निष्पादन का अभाव किसी संविदाकारी पक्षकार में सामर्थ्य का अभाव,
- (स) प्रतिफल का अभाव या निष्फलता या विधि की या तथ्य की भूल
- (द) उपरोक्त सभी

Que. Any fact may be proved which would invalidate any document, or which would entitle any person to any decree or order relating thereto; such as

- (a) Fraud, intimidation or illegality,
- (b) Want of due execution, want of capacity in any contracting party,
- (c) Want or failure of consideration, or mistake in fact or law
- (d) All of the above

प्र.क्र.27 जबकि दस्तावेज में प्रयुक्त भाषा स्वयं स्पष्ट हो और जबकि वह विद्यमान तथ्यों को ठीक-ठीक लागू होती हो

- (अ) तब यह दर्शित करने के लिए साक्ष्य दिया जा सकेगा कि वह ऐसे तथ्यों को लागू होने के लिए अभिप्रेत नहीं था।
- (ब) तब यह दर्शित करने के लिए साक्ष्य नहीं दिया जा सकेगा कि वह ऐसे तथ्यों को लागू होने के लिए अभिप्रेत नहीं था।
- (स) तब यह दर्शित करने के लिए साक्ष्य दिया या नहीं दिया जा सकेगा कि वह ऐसे तथ्यों को लागू होने के लिए अभिप्रेत नहीं था।
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. When the language used in a document is plain in itself, and when it applies accurately to existing facts,

- (a) Evidence may be given to show that it was not meant to apply to

such facts

- (b) Evidence may not be given to show that it was not meant to apply to such facts
- (c) Evidence may or may not be given to show that it was not meant to apply to such facts
- (d) None of the above

- प्र.क्र.28 क पर किसी अन्य व्यक्ति को कूटकृत सिक्का कपटपूर्वक परिदान करने का अभियोग है, जिसे वह परिदान करते समय जानता था कि वह कूटकृत है। यह तथ्य कि क इस तरह के अपराध में पूर्व में दोष सिद्ध हुआ है सुसंगत है उसका - साबित करने के लिए
- (अ) ज्ञान
 - (ब) आशय
 - (स) उद्देश्य
 - (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

- Que. A is accused of fraudulently delivering to another person a counterfeit coin which, at the time when he delivered it, he knew to be counterfeit. The fact that A had been previously convicted of the same offence is relevant to prove his.....
- (a) Knowledge
 - (b) Intention
 - (c) Motive
 - (d) None of the above

- प्र.क्र.29 निम्नलिखित में से किन मामलों में वह साक्ष्य, जो किसी साक्षी ने किसी न्यायिक कार्यवाही में या विधि द्वारा उसे लेने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति के समक्ष दिया है, उन तथ्यों की सत्यता को, जो साक्ष्य में कथित है, किसी पश्चात्वर्ती न्यायिक कार्यवाही में या उसी न्यायिक कार्यवाही के आगामी प्रक्रम में साबित करने के प्रयोजन के लिए तब सुसंगत है?
- (अ) जबकि वह साक्षी मर गया है या मिल नहीं सकता है
 - (ब) वह साक्ष्य देने के लिए असमर्थ है या प्रतिपक्षी द्वारा उसे पहुँच के बाहर कर दिया गया है
 - (स) अथवा यदि उसकी उपस्थिति इतने विलम्ब या व्यय के बिना, जितना कि मामले की परिस्थितियों में न्यायालय अयुक्तियुक्त समझता है, अभिप्राप्त नहीं की जा सकती
 - (द) उपरोक्त में से कोई भी

- Que. In which of the following cases an evidence given by a witness in a judicial proceeding or before any person authorized by law to take it, is relevant for the purpose of proving, in a subsequent judicial proceeding, or in a later stage of the same judicial proceeding, the truth of the facts which it states?
- (a) Where the witness is dead or cannot be found
 - (b) Where the witness is incapable of giving evidence, or is kept out of the way by the adverse party

- (c) Where presence of the witness cannot be obtained without an amount of delay or expense which, under the circumstances of the case, the court considers unreasonable
- (d) Any of the above

प्र.क्र.30 धारा 202 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत जॉच में एक गवाह का परीक्षण किया जाता है, जॉच के दौरान ऐसे गवाह का दर्ज किया हुआ बयान

(अ) धारा 33 साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत साक्ष्य में ग्राह्य है

(ब) धारा 33 साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत साक्ष्य में ग्राह्य नहीं है

(स) निर्भर करता है

(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. A witness is examined during the course of inquiry under S.202 of the Code of Criminal Procedure, statement of such a witness recorded during the course of the inquiry

(a) Is admissible in evidence under S.33 of the Indian Evidence Act

(b) Is not admissible in evidence under S. 33 of the Indian Evidence Act

(c) Depends

(d) None of the above

प्र.क्र.31 कोई साक्षी जो किसी अन्य साक्षी को विश्वसनीयता के लिए अपात्र घोषित करता है, अपने से की गई मुख्य परीक्षा में अपने विश्वास के कारणों को चाहे न बताए, किन्तु प्रतिपरीक्षा में उससे उनके कारणों को पूछा जा सकेगा.....

(अ) उन उत्तरों को, जिन्हें वह देता है, खण्डन किया जा सकता है, यदि वे मिथ्या है

(ब) उन उत्तरों को, जिन्हें वह देता है, खण्डन नहीं किया जा सकता है

(स) उन उत्तरों का, जिन्हें वह देता है, खण्डन नहीं किया जा सकता, तथापि यदि वे मिथ्या हों, तो तत्पश्चात् उस पर मिथ्या साक्ष्य देने का आरोप लगाया जा सकेगा।

(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. A witness declaring another witness to be unworthy of credit may not, upon his examination-in-chief, give reasons for his belief, but he may be asked his reasons in cross-examination,

(a) The answers which he gives can be contradicted, if they are false

(b) The answers which he gives cannot be contradicted

(c) The answers which he gives cannot be contradicted, though if they are false, he may afterwards be charged with giving false evidence

(d) None of the above

प्र.क्र.32 लूट करने के लिए, अपराधी स्वेच्छया किसी व्यक्ति की मृत्यु, उपहति या उसका सदोष अवरोध या तत्काल, मृत्यु, उपहति, या सदोष अवरोध का भय कारित करता है या कारित करने का प्रयत्न करता है।

(अ) चोरी कारित करने के लिए

- (ब) चोरी कारित करने के दौरान
- (स) चोरी द्वारा अभिप्राप्त सम्पत्ति को ले जाने या ले जाने के प्रयत्न में,
- (द) उपरोक्त में से कोई भी

Que. In order to commit a robbery, accused voluntarily caused or attempted to cause death, hurt or wrongful restraint/ fear of instant death, hurt or wrongful restraint for the end.

- (a) To commit theft
- (b) While committing theft
- (c) In carrying away or in the attempt to carry away property obtained by theft
- (d) Any of the above

प्र.क्र.33 शरीर के प्रायवेत प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार मृत्यु कारित करने तक होगा इस मामले के अतिरिक्त—

- (अ) ऐसा हमला जिससे युक्तियुक्त रूप से यह आशंका कारित हो कि अन्यथा ऐसे हमले का परिणाम मृत्यु होगा।
- (ब) व्यपहरण या अपहरण करने के आशय से किया गया हमला।
- (स) बलात्संग करने के आशय से किया गया हमला।
- (द) उपहति कारित करने के आशय से किया गया हमला।

Que. Right of private defence of the body extends to causing death of assailant except in case of-

- (a) an assault which causes reasonable apprehension of death.
- (b) an assault with the intention of kidnapping or abducting.
- (c) an assault with the intention of committing rape.
- (d) an assault with the intention of injury.

प्र.क्र.34 हत्या की कोटि में ना आने वाला आपराधिक मानव वध यदि इस ज्ञान के साथ कि उससे मृत्यु कारित करना संभाव्य है, किन्तु मृत्यु या ऐसी शारीरिक क्षति, जिससे मृत्यु कारित करना संभाव्य है कारित करने के किसी आशय के बिना किया जाये, दंडनीय है—

- (अ) धारा 304 भाग-1 भा. दं.सं. 1860 के तहत आजीवन कारावास
- (ब) धारा 304 भाग-2 भा. दं.सं. 1860 के तहत केवल अधिकतम 10 वर्ष तक के अवधि के कारावास से ।
- (स) धारा 304 भाग-2 भा. दं.सं. 1860 के तहत 10 वर्ष तक के अवधि के कारावास या जुर्माना या दोनों से ।
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

Que. The culpable homicide not amounting to murder is committed with the knowledge that it is likely to cause death, but without any intention to cause death, or to cause such bodily injury as is likely to cause death, is punishable-

- (a) under Section 304 part-I and with life imprisonment.
- (b) under Section 304 part-II and only with maximum imprisonment

for a term 10 years.

- (c) under Section 304 part-II and with imprisonment for a term which may extend 10 years or with fine or with both.
 (d) none of the above.

प्र.क्र.35 दंड प्रक्रिया संहिता की कौन सी धारा प्रावधानित करती है कि मजिस्ट्रेट द्वारा जारी वारंट भारत में किसी भी स्थान पर निष्पादित किया जा सकता है।

- (अ) धारा 57
 (ब) धारा 67
 (स) धारा 77
 (द) धारा 87

Que. Which Section of Cr. PC. States that warrant issued by a Magistrate of India may be executed at any place in India?

- (a) Section 57 Cr. PC.
 (b) Section 67 Cr. P.C.
 (c) Section 77 Cr. P.C.
 (d) Section 87 Cr. P.C.

प्र.क्र.36 धारा 357ए दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के प्रावधान के अंतर्गत निम्न में कौन सा कथन सही नहीं है।

- (अ) न्यायालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अथवा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से, पीड़ित को प्रतिकर देने की अनुशंसा कर सकता है
 (ब) न्यायालय, अभियुक्त के उन्मोचन अथवा दोषमुक्ति की दशा में पीड़ित को प्रतिकर देने के लिए अनुशंसा कर सकता है।
 (स) पीड़ित की पहचान हो गई है, परंतु आरोपी का पता नहीं चला या पहचान स्थापित नहीं हुई, या विचारण नहीं हो सका तो पीड़िता को प्रतिकर नहीं दिया जा सकता।
 (द) विधिक सहायता प्राधिकरण पीड़िता को समुचित मामले में चिकित्सीय सहायता दे सकता है।

Que. Under the provision of section 357A of Code of Criminal Procedure, 1973 which statement among the following is Not True-

- (a) The court can recommend to District Legal Service Authority or State Legal Service Authority to compensate the victim.
 (b) The court can recommend compensation, in case of acquittal or in case of discharge of accused.
 (c) The victim is identified but the offender is not traced or identified or where no trial takes place, the victim can not be compensated.
 (d) The Legal Services Authority may in a suitable case provide medical aid.

प्र.क्र.37 घटना स्थल पर अनुपस्थिति का बचाव अधिशासित होता है।

- (अ) धारा 9 साक्ष्य अधिनियम
 (ब) धारा 12 साक्ष्य अधिनियम
 (स) धारा 10 साक्ष्य अधिनियम

- Que. (द) धारा 11 साक्ष्य अधिनियम
Alibi is governed by
(a) Section 9 of Evidence Act.
(b) Section 12 of Evidence Act.
(c) Section 10 of Evidence Act.
(d) Section 11 of Evidence Act.
- प्र.क्र.38 भारतीय साक्ष्य अधिनियम की किस धारा में कब्जा स्वामित्व का प्रथम दृष्ट्या प्रमाण है, का प्रावधान किया गया है।
(अ) धारा 109
(ब) धारा 111
(स) धारा 110
(द) धारा 112
- Que. The principle that possession is *prima facie* proof of ownership is provided under which of the following Section of the Indian Evidence Act?
(a) Section 109
(b) Section 111
(c) Section 110
(d) Section 112
- प्र.क्र.39 मृत्युकालिक कथन ग्राह्य है।
(अ) केवल आपराधिक कार्यवाहियों में
(ब) केवल सिविल कार्यवाहियों में
(स) सिविल और आपराधिक दोनों कार्यवाहियों में
(द) केवल आपराधिक कार्यवाहियों में ना कि सिविल कार्यवाहियों में
- Que. A dying declaration is admissible
(a) Only in criminal proceedings
(b) Only in civil proceedings
(c) In civil as well as criminal proceedings both
(d) In criminal proceeding only & not in civil proceedings.
- प्र.क्र.40 निम्न में से कौन निरंतर जारी रहने वाला अपराध है—
(अ) व्यपहरण
(ब) बलात्कार
(स) चोरी
(द) दुष्प्रेरण
- Que. Which one of the following is a continuing offence :
(a) Abduction
(b) Rape

- (c) Theft
(d) Abetment

- प्र.क्र.41 अ के द्वारा ब की हत्या के आशय से उसे जहरीला हलवा प्रदान किया गया है। ब के द्वारा एक चम्मच हलवा खाया गया और शेष हलवे को छोड़ दिया गया। स जो कि वहीं पर ब के पास बैठा हुआ था उसके द्वारा ब के द्वारा उक्त छोड़े गये हलवे को खाया गया, परिणामतः स की मृत्यु हो जाती है। यहां अ दोषी होगा-----
(अ) हत्या की कोटि में न आने वाला अपराधिक मानव वध।
(ब) स की हत्या के लिये
(स) यहां अ हत्या के लिये जिम्मेदार नहीं होगा क्यों कि उसका कभी भी स की हत्या का कोई आशय नहीं था।
(द) गंभीर उपहति कारित करना।
- Que. “A” gave poisoned “Halwa” (sweet dish) to “B” with intention to kill him. “B” ate one spoon and kept it on the side. “C” who was sitting there, picked up and ate it. “C” dies. Here “A” is guilty of :
(a) Culpable homicide not amounting to murder
(b) Offence of murder of “C”
(c) Here “A” is not guilty of murder as he never intended to kill “C”
(d) Causing grievous hurt
- प्र.क्र.42 निम्न में से किस प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट की प्रतिलिपि को दर्ज किये जाने से 24 घंटे के भीतर ऑनलाईन अपलोड करने हेतु निर्देशित किया गया है?
(अ) डी.के.बासू विरुद्ध बंगाल राज्य
(ब) यूथ बार एसोसियेशन आफ इंडिया विरुद्ध भारत संघ
(स) ठाकुर राम विरुद्ध बिहार राज्य
(द) ज्ञान सिंह विरुद्ध पंजाब राज्य
- Que. In which of the following cases have the Supreme Court recently directed to upload online copy of FIR within 24 hours of lodging :
(a) D.K.Basu Vs. State of West Bengal
(b) Youth Bar Association of India Vs. Union of India
(c) Thakur Ram Vs. State of Bihar
(d) Gyan Singh Vs. State of Punjab
- प्र.क्र.43 एक चिकित्सक के द्वारा समान प्रक्रिया से तैयार की गई चोट की मुलाहिजा रिपोर्ट की मूल प्रति की कार्बन प्रति साक्ष्य में इस प्रकार ग्राह्य होगी—
(अ) द्वितीयक साक्ष्य
(ब) प्राथमिक साक्ष्य
(स) प्रत्यक्ष साक्ष्य
(द) परिस्थितिजन्य साक्ष्य
- Que. A carbon copy of the injury report prepared by a Doctor by one uniform process by which the original was prepared may be admitted

as :

- (a) secondary evidence
- (b) primary evidence
- (c) direct evidence
- (d) circumstantial evidence

- प्र.क्र.44 यदि किसी प्रकरण में अभियुक्त के जमानतदार की मृत्यु हो जाती है तब..?
- (अ) उसका विधिक उत्तराधिकारी उसके स्थान पर जमानतदार हो जायेगा।
 - (ब) उसे पुनः जमानत प्रदान नहीं किया जायेगा।
 - (स) उससे नवीन जमानत प्रस्तुत करने के लिये कहा जायेगा एवं यदि वह नवीन जमानत प्रस्तुत करने में असफल रहता है तब न्यायालय इसे मूल जमानत आदेश का उल्लंघन मानकर विचार कर सकेगी।
 - (द) उसकी जमानत इस शर्त के अधीन जारी रहेगी कि आरोपी प्रत्येक दिवस नजदीकी पुलिस थाने में उपस्थिति दर्ज करायेगा।

Que. In a case where a surety for an accused dies:

- (a) His legal heirs become sureties
- (b) Bail cannot be granted again
- (c) Fresh surety is asked for, and on failure to furnish fresh security, the court can consider it to be a breach of the original order
- (d) Bail continues subject to the daily presence of the accused in the police station nearest to him

- प्र.क्र.45 भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अन्तर्गत "साबित नहीं हुआ" से तात्पर्य है—
- (अ) तथ्य अस्तित्व में नहीं है।
 - (ब) संभाव्यता का अनस्तित्व
 - (स) न्यायालय को संदेह है
 - (द) न तो साबित किया गया है और न ही नासाबित।

Que. What is the meaning of "Not Proved" under Indian Evidence Act, 1872 :

- (a) Fact does not exist.
- (b) Non-existence of probable.
- (c) Court has doubt.
- (d) Neither proved nor disproved.

- प्र.क्र.46 सह अपराधी की साक्ष्य स्वीकार करने एवं उस पर आगे बढ़ने के पूर्व ऐसी साक्ष्य—
- (अ) अन्य सह अपराधी की साक्ष्य से आवश्यक रूप से पुष्ट होना चाहिए
 - (ब) एक स्वतंत्र स्रोत से आवश्यक रूप से पुष्ट होना चाहिए
 - (स) पुष्ट होने की कतई आवश्यकता नहीं है
 - (द) पुष्ट होने की आवश्यकता नहीं है परन्तु सावधानी के नियम के अनुसार पुष्ट होना आवश्यक है

- Que. Testimony of an accomplice before it is accepted and acted upon -
 (a) must be corroborated from the testimony of another accomplice
 (b) must be corroborated from an independent source
 (c) need not be corroborated at all
 (d) need not be corroborated but corroboration is required as a rule of prudence
- प्र.क्र.47 एक अभियुक्त की स्वीकारोक्ति सह अभियुक्त के विरुद्ध ग्राह्य होती है
 (अ) यदि उनका समान अपराध के लिए संयुक्त विचारण किया जाता है
 (ब) यदि उनका भिन्न अपराधों के लिए संयुक्त विचारण किया जाता है
 (स) यदि उनका भिन्न अपराधों के लिए परन्तु संयुक्त विचारण नहीं किया जाता है
 (द) यदि उनका समान अपराध के लिए संयुक्त विचारण किया जाता है, परंतु संयुक्त रूप से नहीं
- Que. Confession of an accused is admissible against Co-accused -
 (a) If they are tried jointly for the same offences
 (b) If they are tried jointly for different offences
 (c) If they are tried for different offences but not jointly
 (d) If they are tried jointly for the same offences but not jointly.
- प्र.क्र.48 साक्ष्य अधिनियम :- 'रेस गेस्टे' का एक अपवाद है
 (अ) अनुश्रुत नियम
 (ब) सुसंगतता नियम
 (स) पारिस्थितिक साक्ष्य
 (द) उपरोक्त में से कोई नहीं
- Que. Evidence Act:- 'Res gestae' is an exception to the
 (a) Hearsay Rule
 (b) Relevancy Rule
 (c) Circumstantial evidence
 (d) None of the above
- प्र.क्र.49 दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) तथा धारा 202 के अधीन पुलिस अन्वेषण के लिए दिये गये आदेश के बीच विभेद को उच्चतम न्यायालय ने किस मामले में स्पष्ट किया है—
 (अ) देवरापल्ली लक्ष्मीनारायण रेड्डी व अन्य वि. व्ही. नारायणा रेड्डी व अन्य
 (ब) नागप्पा वि. विरम्मा शिवलंगप्पा कोजालप्पी
 (स) केवल कृष्ण वि. सूरजभान
 (द) डॉ. एस. खान. वि. मुख्य सचिव
- Que. In which of the following cases the supreme court has differentiated an order given for police investigation under section 156(3) and 202 CrPC
 (a) Devarapali Lakshminarayana Reddy and others Vs. V. Narayana Reddy and others.
 (b) Naggapa vs Viramma Shivlingappa Kojallapi

- (c) Keval Krishna vs Surajbhan
(d) Dr S. Khan vs Chief Secretary

प्र.क्र.50

कौन सा तथ्य सही है:-

एक अभियुक्त के द्वारा निम्न मामलों में अपील नहीं की जाएगी :-

- (अ) जहां उच्च न्यायालय द्वारा 6 माह के कारावास या 1000/- अर्थदण्ड या दोनों से दण्डित किया है
(ब) जहां एक सत्र न्यायालय के द्वारा 3 माह का कारावास या 200/- अर्थदण्ड या दोनों का आदेश दिया है
(स) जहां मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा 3 माह का कारावास या 200/- अर्थदण्ड या दोनों का आदेश दिया है
(द) उपरोक्त तीनों स्थितियों में।

Que.

Which fact is true

There shall be no appeal by a convicted person in any of the following case :-

- (a) Where a High Court passes a sentence of 6 month imprisonment or 1000/- fine or both
(b) Where a Court of session passes a sentence of 3 month imprisonment or 200/- fine or both
(c) A metropolitan magistrate passes a sentence of 3 month imprisonment or 200/- fine or both
(d) In all the above three condition.

C.P.C., T.P. ACT & CONTRACT ACT

प्र.क्र.51

एक वाद की पोषणीयता के संबंध में किसी न्यायादृष्टांत की आवश्यकता नहीं है और यह पर्याप्त है कि किसी कानून में ऐसा दावा वर्जित नहीं है। यह कथन है

- (अ) सही
(ब) गलत
(स) आंशिक रूप से सही
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que.

A suit for its maintainability requires no authority of law and it is enough that no statute bars it. The statement is

- (a) Correct
(b) Incorrect
(c) Partly correct
(d) None of the above

प्र.क्र.52

‘क’ एक भागीदारी फर्म, ख के विरुद्ध 50000/- रु की वसूली का वाद दायर करता है। वाद इस कारण अप्रचलनयोग्य होने के आधार पर खारिज कर दिया गया कि उक्त फर्म पंजीकृत नहीं थी, जबकि भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 के तहत ऐसा आवश्यक है। तत्पश्चात् फर्म पंजीकृत कराई गई व ‘ख’ के विरुद्ध समान वाद हेतुक पर नया वाद दायर

किया गया। वाद इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि यह धारा-11 व्य.प्र.स. के प्रावधान से बाधित है। आदेश है

- (अ) वैध
- (ब) अवैध
- (स) उचित
- (द) न्यायोचित

Que. A, a partnership firm, filed a suit against B to recover Rs.50,000. The suit was dismissed on the ground that it was not maintainable since the partnership was not registered as required by the provisions of the Indian Partnership Act, 1932. The firm was thereafter registered and a fresh suit was filed against B on the same cause of action. The suit is dismissed on the ground that it is barred by section 11 of the Code of Civil Procedure. The order is

- (a) Legal
- (b) Illegal
- (c) Proper
- (d) Justifiable

प्र.क्र.53 'क' 'ख' के विरुद्ध किराए के लिए वाद लाता है। वाद इस निष्कर्ष पर खारिज कर दिया जाता है कि 'क' मकानमालिक नहीं है बल्कि 'क' व 'ख' सामान्यिक अभिधारी है। 'क' 'ख' के विरुद्ध संपत्ति के बट्टेवारे हेतु पश्चातवर्ती वाद सस्थित करता है। न्यायालय वाद को आदेश 2 नियम 2 व्य.प्र.स. से बाधित होना मानते हुए खारिज कर देता है। आदेश है

- (अ) वैध
- (ब) अवैध
- (स) उचित
- (द) अनियमित

Que. A sues B for rent. The suit is dismissed on finding that A was not the landlord but A and B were tenants-in-common. A subsequent suit is filed by A against B for partition of property. The court dismissed the suit as if is hit by Order 2 Rule 2 of the Code of Civil Procedure, 1908. The order is

- (a) Legal
- (b) Illegal
- (c) Proper
- (d) Irregular

प्र.क्र.54 किसी ऐसे ऋण का, जिसके दो व्यक्ति पारस्परिक रूप से एक दूसरे के ऋणी हैं, ऐसे प्राप्त धन से, जिसके वे दोनों एक दूसरे के पारस्परिक लेनदार हैं, समापन कहलाता है।

- (अ) मुजरा
- (ब) काउंटर दावा
- (स) खातों का निपटान

- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं
- Que. The extinction of debts of which two persons reciprocally debtors to one another by the credits of which they are reciprocally creditors to one another is called
- (a) Set off
(b) Counter claim
(c) Settlement of accounts
(d) None of the above
- प्र.क्र.55 जहाँ कि वाद अचल सम्पत्ति के कब्जे की वापसी व किराए या अर्न्तवर्ती लाभ हेतु है, न्यायालय ऐसा निर्देश देते हुए कि किराए या अर्न्तवर्ती लाभ के संबंध में जाँच दावा दिनांक से की जाए डिक्री पारित कर सकता है।
- (अ) डिक्रीधारी को कब्जा सौंपने तक
(ब) निर्णीत ऋणी द्वारा न्यायालय के माध्यम से डिक्री धारी को सूचना देते हुए कब्जे का परित्याग करने तक
(स) डिक्री की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के अवसान तक, जो भी पहले घटित हो।
(द) उपरोक्त में से कोई भी
- Que. Where a suit is for the recovery of possession of immovable property and for rent or *mesne profits*, the court may pass a decree directing an inquiry as to rent or *mesne profits* from the institution of the suit until-
- (a) The delivery of possession to the decree-holder
(b) The relinquishment of possession by the judgment-debtor with notice to the decree-holder through the court
(c) The expiration of three years from the date of the decree, whichever event first occurs
(d) Any of the above
- प्र.क्र.56 प्रतिग्रहण की संसूचना, प्रतिगृहीता के विरुद्ध तब सम्पूर्ण हो जाती है –
- (अ) जब वह उसके प्रति इस प्रकार पारेषण के अनुक्रम में कर ली जाती है कि वह प्रतिगृहीता की शक्ति के बाहर हो जाए।
(ब) जब वह प्रस्थापक के ज्ञान में आ जाती है।
(स) जब प्रतिग्रहण संसूचित की जाती है
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।
- Que. The communication of acceptance is complete as against the acceptor
- (a) When it is put in the course of transmission so as to be out of the power of the acceptor
(b) When it comes to the knowledge of the proposer
(c) When the acceptance is communicated
(d) None of the above

- प्र.क्र.57 'क' की प्रस्थापना का 'ब' डाक से भेजे गए पत्र द्वारा प्रतिग्रहण करता है। उक्त प्रतिग्रहण
- (अ) 'ब' द्वारा प्रतिसहरण नहीं किया जा सकता क्योंकि वह पहले ही प्रस्ताव का प्रतिग्रहण कर चुका है व प्रतिग्रहण का पत्र भेज चुका है।
- (ब) जैसे ही प्रतिग्रहण का पत्र 'क' को पहुँचता है, 'ख' द्वारा प्रतिसहरण किया जा सकता है।
- (स) प्रतिग्रहण का पत्र 'क' को पहुँचने के पूर्व 'ख' द्वारा प्रतिसहरण किया जा सकता है।
- (द) प्रतिग्रहण का पत्र 'क' को पहुँचने के बाद किसी भी समय 'ख' द्वारा प्रतिग्रहण किया जा सकता है।

- Que. B accepts the proposal of A by posting a letter of acceptance to A. The above acceptance
- (a) Cannot be revoked by B as he has already accepted the offer and dropped the letter of acceptance.
- (b) Can be revoked by B as soon as the letter of acceptance reaches A
- (c) Can be revoked by B before the letter of acceptance reaches A
- (d) Can be revoked by B at any time after the letter of acceptance reaches A

- प्र.क्र.58 निष्फलता के सिद्धान्त का आधार यह है कि :-
- (अ) पालन से निर्मुक्ति हो जाती है जहाँ संविदा में निहित आधारभूत धारणा असम्भव हो गयी हो।
- (ब) पक्षकारों के मध्य जो सारवान उद्देश्य था वह अब प्राप्त किए जाने योग्य नहीं है।
- (स) औपचारिक अनुपालन अभी भी संभव है किन्तु इससे पक्षकारों के मध्य रहे मूल व सामान्य योजना की पूर्ती नहीं होगी
- (द) जहाँ कि पक्षकार विवक्षित रूप से सहमत हो जाते हैं कि जब संविदा का अनुपालन किया जाएगा वह उस संविदा से भिन्न होगा जिसका अनुपालन तय हुआ था, तब संविदा का पालन आवश्यक नहीं है।

- Que. The basis of the doctrine of frustration is that the
- (a) Performance is excused where a fundamental assumption underlying the contract has become impossible
- (b) Substantial object which the parties had in view is no longer attainable
- (c) Literal performance may still be possible, but it will not fulfil the original and common design of the parties
- (d) Parties have impliedly agreed that in case the contract when performed, would be different from the contract as agreed to be performed, then the contract need not be performed

- प्र.क्र.59 प्रत्यासन के अधिकार से तात्पर्य है:-
- (अ) 'प्रतिभू' लेनदार का स्थान ले लेता है।
- (ब) वह हर उस प्रतिभूति के लाभ का हकदार होगा जो लेनदार को प्राप्त थे
- (स) प्रतिभू मूल ऋणी से क्षतीपूर्ति ले सकता है।
- (द) इनमें से कोई नहीं।

- Que. Right of subrogation means
(a) The surety will step into the shoes of the creditor
(b) He is entitled to the benefit of every security which the creditor has
(c) The surety can claim indemnity from the principal debtor
(d) None of these
- प्र.क्र.60 बंधक संपत्ति न्यायालय के हस्तक्षेप के बिना उसी दशा में बेची जा सकती है
(अ) साधारण बंधक
(ब) विलक्षण बंधक
(स) अंग्रेजी बंधक
(द) हक विलेखों के निक्षेपों द्वारा बंधक
- Que. Mortgaged property can be sold without the intervention of court only in the case of
(a) Simple mortgage
(b) Anomalous mortgage
(c) English mortgage
(d) Mortgage by deposit of title deeds
- प्र.क्र.61 धारा-5 संपत्ति अन्तरण अधि. के तहत 'जीवित व्यक्ति' के अन्तर्गत शामिल नहीं है
(अ) निगमित कंपनी
(ब) कंपनी जो निगमित न हो
(स) न्यायिक व्यक्ति
(द) व्यक्तियों की सभा
- Que. 'Living person' under section 5 of the Transfer of Property Act, 1882 excludes
(a) Company incorporated
(b) Company not incorporated
(c) Juristic persons
(d) Assembly of individuals
- प्र.क्र.62 यदि न्याय शुल्क की अदायगी में लोप होने पर वाद पत्र को नामंजूर किया गया है तब व्यथित पक्ष को उपलब्ध उपचार—
(अ) अपील
(ब) रिट
(स) निगरानी
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
- Que. If a plaint is rejected for non-payment of Court fee, the remedy is
(a) Appeal
(b) Writ
(c) Revision

(d) None of the above

प्र.क्र.63 निम्न में से कौन सा सम्पत्ति अंतरण अधिनियम 1882 के प्रावधानों के अंतर्गत समाश्रित हित का वैध उदाहरण होगा ?

- (अ) ब ने अपनी सम्पत्ति अपनी पुत्रवधु को इस शर्त के अधीन उपहार में दिया कि उक्त सम्पत्ति पर उसे ब की मृत्यु के पश्चात् ही आधिपत्य प्राप्त होगा।
 (ब) ब ने अ को 15,000/-रूपया उपहार स्वरूप प्रदान किये जाने हेतु एक खाते में जमा किया, जो अ को वयस्क होने के उपरांत प्राप्त होगा।
 (स) अ एवं ब दोनों
 (द) न तो अ और न ही ब

Que. Which of the following is a valid example of contingent interest as defined by the Transfer of Property Act, 1882 ?

- (a) B gifted his property to his daughter-in-law, with a condition that the possession of the property will transfer to her only after B's death
 (b) B made a gift of Rs.15,000 to A, deposited in an account to be transferred to A when he attains age of majority
 (c) both A and B
 (d) neither A nor B

प्र.क्र.64 ए के द्वारा सी के उत्तराधिकारी के रूप में किसी भूमि के संबंध में घोषणा का वाद दायर किया जाता है, उक्त वाद निरस्त कर दिया गया, पश्चात् में ए के द्वारा पुनः प्रतिकूल आधिपत्य के आधार पर वाद दायर किया जाता है। पश्चात्तवर्ती दायर किया गया वाद -----के आधार पर वर्जित होगा :

- (अ) आन्वयिक पूर्व न्याय
 (ब) वास्तविक पूर्व न्याय
 (स) अ अथवा ब
 (द) उपरोक्त में कोई नहीं

Que. A files a suit for declaration that he is entitled to certain land as the heir of C. The suit is dismissed. Subsequently suit is claimed on the basis of adverse possession; subsequent suit is barred on the ground of:

- (a) constructive res-judicata
 (b) actual res-judicata
 (c) either (a) or (b)
 (d) None of the above

प्र.क्र.65 इनमें से किस आदेश की विविध अपील नहीं होगी-

- (अ) आदेश 7 नियम 10 व्य.प्र.सं. के तहत वाद-पत्र उचित न्यायालय में प्रस्तुत किये जाने के लिए लौटाने का आदेश
 (ब) आदेश 7 नियम 11 व्य.प्र.सं. के तहत वाद-पत्र नामंजूर किये जाने का आदेश
 (स) वाद खारिजी के आदेश को अपास्त करने हेतु आदेश 9 नियम 9 व्य.प्र.सं. के तहत

प्रस्तुत आवेदन को नामंजूर करने का आदेश

(द) एकपक्षीय पारित आदेश की डिक्री को अपास्त करने के लिए आवेदन आदेश 9 नियम 13 व्य.प्र.सं. को नामंजूर करने का आदेश

Que. A miscellaneous appeal is not maintainable against which of the following orders-

- (a) An order passed under order 7 rule 10 CPC, where the suit is returned for presenting in a proper court.
- (b) Order passed under order 7 rule 11 CPC, where plaint is rejected.
- (c) Where an application filed for setting aside the dismissal of the suit under order 9 rule 9 CPC, has been rejected.
- (d) Where an application filed for setting aside a decree passed in an ex parte order has been rejected.

प्र.क्र.66 सम्पत्ति हस्तांतरण अधिनियम 1882 की निम्न कौन सी धारा किसी अजन्में शिशु के हित में हस्तांतरण के प्रावधान से जुड़ी है

- (अ) धारा 13
- (ब) धारा 14
- (स) धारा 15
- (द) धारा 16

Que. Which one of the following sections of Transfer of Property Act, 1882 is concerned with the transfer of benefit to unborn child ?

- (a) Section 13
- (b) Section 14
- (c) Section 15
- (d) Section 16

प्र.क्र.67 जब प्रारंभिक डिक्री से व्यथित पक्षकार ऐसी डिक्री के विरुद्ध अपील नहीं करता है

- (अ) तो वह अंतिम डिक्री की अपील में इसकी वैधानिकता को चुनौती दे सकता है।
- (ब) अंतिम डिक्री की अपील में इसकी वैधानिकता को विवादित नहीं कर सकता है।
- (स) वह अंतिम डिक्री के विरुद्ध अपील ही पेश नहीं कर सकता है।
- (द) वह प्रारंभिक डिक्री के विरुद्ध अंतिम डिक्री पारित होने के बावजूद अपील कर सकता है।

Que. Where any party aggrieved by a preliminary decree, does not appeal from such decree.

- (a) he may dispute its correctness in an appeal from final decree.
- (b) he cannot dispute its correctness in an appeal from final decree.
- (c) he cannot file an appeal against the final decree.
- (d) he can file an appeal against preliminary decree, even after a final decree is passed.

- प्र.क्र.68 "एक बार बंधक सदैव के लिए बंधक" का निर्णयन निम्न किस निर्णय में आया था—
 (अ) नोक्स एंड कंपनी विरुद्ध राइस
 (ब) एल्डरसन विरुद्ध हवाइट
 (स) हण्टर विरुद्ध अब्दुल अली
 (द) उपरोक्त में से कोई नहीं।
- Que. 'Once a mortgage always mortgage' was laid down in which of following cases-
 (a) In Nokes & Co. vs. Rice.
 (b) In Alderson vs. White.
 (c) In Hunter vs. Abdul Ali.
 (d) None of these.
- प्र.क्र.69 सिविल प्रक्रिया संहिता :- डिक्री की निष्पादन कार्यवाही के दौरान यदि प्रश्न उठता है एक व्यक्ति एक पक्ष का प्रतिनिधि है अथवा नहीं, तो ऐसा प्रश्न निर्णीत किया जायेगा
 (अ) डिक्री की पारित करने वाले न्यायालय द्वारा
 (ब) डिक्री को निष्पादन कराने वाले न्यायालय द्वारा
 (स) अपीलीय न्यायालय द्वारा
 (द) एक अलग वाद द्वारा
- Que. C.P.C. :- During proceeding for execution of a decree, if a question arises as to whether any person is or is not the representative of a party such question shall be determined by
 (a) The Court which passed the decree
 (b) The Court executing the decree
 (c) The appellate Court
 (d) Separate Suit
- प्र.क्र.70 यह कथन कि प्रतिदावा उस स्थिति में भी प्रचलनशील रहेगा यदि वाद रोक दिया जाता है, खारिज किया जाता है या वापस लिया जाता है, है।
 (अ) गलत
 (ब) आंशिक गलत
 (स) सत्य
 (द) उपरोक्त में से कोई नहीं
- Que. The statement that counter-claim stands even if the suit of the plaintiff is stayed, dismissed or withdrawn, is
 (a) False
 (b) Partly false
 (c) True
 (d) None of the above

SPECIFIC RELIEF ACT

- प्र.क्र.71 विनिर्दिष्ट अनुतोष (संशोधन) अधिनियम 2018 द्वारा अंतःस्थापित अनुसूचि में क्या वर्णित है
(अ) परियोजनाओं और अवसंरचना उप सेक्टरों के प्रवर्ग
(ब) विशेष न्यायालय के कार्य, शक्तियां और दायित्व
(स) विशेषज्ञों की श्रेणी जिन्हें न्यायालय नियुक्त कर सकता है
(द) उपरोक्त सभी।
- Que. What is mentioned in the Schedule inserted by the Specific Relief (Amendment) Act 2018
(a) Category of projects and infrastructure sub-sectors
(b) Powers, duties and functions of Special Court
(c) Category of experts which may be engaged by Courts
(d) All of the above
- प्र.क्र.72 धारा 39 विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम से तात्पर्य है—
(अ) विलेखों का निरस्तीकरण
(ब) आज्ञापक व्यादेश
(स) विलेखों का सुधार
(द) संविदा का विखंडन
- Que. Section 39, of the Specific Relief Act, deals with
(a) Cancellation of instruments
(b) Mandatory injunction
(c) Correctness of instruments
(d) Rescission of contract
- प्र.क्र.73 निम्नलिखित में से किस प्रकरण में संविदा का विखंडन न्यायालय द्वारा न्यायनिर्णीत किया जावेगा –
(अ) जहाँ वादी ने संविदा का अनुसमर्थन किया है
(ब) जहाँ संविदा के लिये परपक्षकारों ने सद्भावनापूर्वक अधिकार अर्जित कर लिये हो
(स) जहाँ संविदा वादी द्वारा शून्यकरणीय हो
(द) जहाँ विखंडन के लिये ईप्सित संविदा का भाग उसके अवशिष्ट भाग से पृथककरणीय न हो
- Que. In which of the following cases would rescission of a contract be adjudged by the Court ?
(a) When the plaintiff has ratified the contract
(b) The third parties to the contract have acquired the rights in good faith
(c) Where the contract is voidable by the plaintiff
(d) Where the part of the contract sought to be rescinded is not

severable from the rest of the contract.

- प्र.क्र.74 निम्नलिखित में से किस प्रकरण में न्यायालय लिखत की परिशुद्धि के लिए आदेश नहीं दे सकेगा
- (अ) जहां लिखत, कपट द्वारा उसका वास्तविक आशय अभिव्यक्त न करे
 - (ब) जहां लिखत, परस्पर भूल द्वारा उसका वास्तविक आशय अभिव्यक्त न करे
 - (स) जहां वह किसी कंपनी का संगम अनुच्छेद हो
 - (द) जहां लिखत की परिशुद्धि परव्यक्तियों द्वारा सदभावनापूर्वक एवं मूल्यार्थ अर्जित अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती हो

Que. In which of the following cases, the Court can not order rectification of instrument -

- (a) Where the instrument through fraud does not express their real intention
- (b) Where the instrument though mutual mistake does not express their real intention
- (c) Where the instrument is the articles of association of a company
- (d) Where the rectification of the instrument can be done without prejudice to rights acquired by third persons in good faith and for value.

प्र.क्र.75 धारा 2(ए) विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम में परिभाषित "बाध्यता" से तात्पर्य :-

- (अ) लोक के विरुद्ध अधिकार है।
- (ब) व्यक्तिगत अधिकार है।
- (स) विधि द्वारा प्रवर्तनीय प्रत्येक कर्तव्य है।
- (द) इनमें से कोई नहीं।

Que. The term "Obligation" As defined under section 2 (a) of the Specific Relief Act :-

- (a) Is a right in rem.
- (b) Is a right in personam.
- (c) Every duty enforceable by law.
- (d) None of the above.

N.D.P.S. ACT

प्र.क्र.76 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत किन अपराधों में अपराधी परीवीक्षा अधिनियम के प्रावधानों का लाभ दिया जा सकता है।

- (अ) अल्प मात्रा से संबंधित अपराधों में।
- (ब) अधिनियम की धारा 26 व 27 के अंतर्गत दण्डनीय अपराधों में।
- (स) अधिनियम की धारा 18 व 21 के अंतर्गत दण्डनीय अपराधों में।
- (द) किसी भी अपराध में नहीं।

Que. Under N.D.P.S. Act in which offence benefit of Probation of Offenders

Act, 1958 can be given.

- (a) Offence related to small quantity
- (b) Offence punishable under S. 26 & 27 of the Act.
- (c) Offence punishable under S. 18 & 21 of the Act.
- (d) None of the offence.

प्र.क्र.77 एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत स्वाफ़्क औषधि या मनःप्रभावी पदार्थ की वाणिज्य मात्रा से संबंधित अपराध किये जाने की तैयारी तथा प्रयत्न—

- (अ) पृथक—पृथक अपराध है
- (ब) दोनों एक ही प्रावधान के अंतर्गत दंडनीय है
- (स) केवल प्रयत्न अपराध है तैयारी नहीं
- (द) इनमें से कोई भी अपने आप में स्वतंत्र अपराध नहीं है

Que. Under N.D.P.S. Act the preparation and attempt of commission of offences relating to commercial quantity of Narcotic drug and psychotropic substances are-

- (a) different offences
- (b) both are punishable under one provision
- (c) only attempt is offence, preparation is not
- (d) None of these two are offence independently in themselves.

प्र.क्र.78 अभियुक्त से जप्त किया गया पदार्थ अफीम पोस्त के कोगूलेटेड जूस के रूप में अफीम था। यह अफीम के साथ किसी अन्य न्यूट्रल पदार्थ का समिश्रण नहीं था। यह निर्धारित करने के लिये कि क्या पदार्थ अल्प मात्रा अथवा व्यवसायिक मात्रा का होगा, अफीम में मार्फिन की मौजूदगी का निर्धारण निम्न में से क्या होगा :-

- (अ) पूर्णता असंगत
- (ब) सुसंगत
- (स) आज़ापक
- (द) महत्वपूर्ण

Que. Substance recovered from an accused was opium in form of coagulated juice of opium poppy. It was not a mixture of opium with any other neutral substance. For purpose of deciding whether the substance would be small or commercial quantity, determination of contents of morphine in opium becomes :-

- (a) totally irrelevant
- (b) relevant
- (c) mandatory
- (d) important

प्र.क्र.79 ऐसे अधिकारियों को, जो धारा-53 एन.डी.पी.एस. एक्ट में प्रदत्त शक्तियों से सशक्त है, किया गया संस्वीकृतिकारक कथन धारा-25 साक्ष्य अधि. के तहत बाधित है, ऐसा निर्णीत हुआ है?

- (अ) तूफान सिंह वि. तमिलनाडु राज्य (2021) 4 एस.सी.सी. 1
 (ब) पंजाब राज्य वि. बलवीर सिंह (2021) 2 एस.सी.सी. 9
 (स) जोसेफ फर्नांडीस वि. गोवा राज्य (2020) 3 एस.सी.सी. 913
 (द) करनैल सिंह वि. हरियाणा राज्य (2019) 8 एस.सी.सी. 104

Que. Confessional statement made to officers who are entrusted with powers under section 53 of NDPS act would be barred under Section 25 evidence act is decided in

- (a) Tofan Singh vs. The state of Tamil Nadu (2021) 4 SCC 1
 (b) State of Punjab vs. Balveer Singh (2021) 2 SCC 9
 (c) Joseph fernandes vs. State of Goa (2020) 3 SCC 913
 (d) Karnail Singh vs. State of Haryana (2019) 8 SCC 104

LIMITATION ACT

प्र.क्र.80 परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 2(च) में परिभाषित 'सुखाचार' के अन्तर्गत नहीं आता है संविदा से उभ्रूत न होने वाला ऐसा अधिकार जिसके द्वारा कोई व्यक्ति किसी अन्य की भूमि के किसी भाग को या किसी अन्य की भूमि में उगी हुई या उससे संलग्न या उस पर अस्तित्ववान किसी चीज को हटाने और अपने लाभ के लिए विनियोजित करने का हकदार होता है। यह कथन है

- (अ) सही
 (ब) गलत
 (स) आंशिक रूप से सही
 (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. As defined under section 2(f) of the Limitation Act, 1963, 'easement' does not include a right not arising from contract, by which one person is entitled to remove and appropriate for his own profit any part of the soil belonging to another or anything growing in, or attached to, or subsisting upon the land of another. The statement is

- (a) True
 (b) False
 (c) Partly correct
 (d) None of the above

प्र.क्र.81 परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा-2(ड) के अन्तर्गत परिभाषित 'अपकृत्य' से अभिप्रेत है

- (अ) जन दोष जो केवल संविदा भंग या न्यासभंग न हो
 (ब) सिविल दोष जिसके अन्तर्गत केवल संविदा भंग या न्यासभंग शामिल हो
 (स) सिविल दोष जो केवल संविदा भंग या न्यासभंग न हो
 (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. 'Tort', as defined in section 2(m) of the Limitation Act, 1963 means a

- (a) Public wrong which is not exclusively the breach of a contract or

the breach of trust

- (b) Civil wrong which include exclusively the breach of a contract or the breach of trust
- (c) Civil wrong which is not exclusively the breach of a contract or the breach of trust
- (d) None of the above

प्र.क्र.82 यह तथ्य कि अपीलार्थी या आवेदक विहित काल का अभिनिश्चय या संगणना करने में उच्च न्यायालय के किसी आदेश, पद्धति या निर्णय के कारण भुलावे में पड़ गया था, इस धारा के अर्थ के भीतर पर्याप्त हेतुक हो सकेगा। परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा- 5 के अन्तर्गत यह कथन है ?

- (अ) सही
- (ब) गलत
- (स) आंशिक रूप से सही
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Que. The fact that the appellant or the applicant was misled by any order, practice or judgment of the High Court in ascertaining or computing the prescribed period may be sufficient cause within the meaning of section 5 of the Limitation Act, 1963. The statement is

- (a) True
- (b) False
- (c) Partly Correct
- (d) None of the above

NEGOTIABLE INSTRUMENT ACT

प्र.क्र.83 परक्राम्य लिखत अधिनियम, की धारा- 138 के तहत अपराध को आकर्षित करने के लिए, वाद कारण उत्पन्न होता है

- (अ) चैक के प्रत्येक बार प्रस्तुत किये जाने पर
- (ब) चैक के अनादरण की तारीख पर
- (स) जब चैक का लेखीवाल, चैक धारक को सूचना की प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर उक्त धनराशि का संदाय करने में असफल रहता है।
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

Que. To attract the offence under section 138 of the Negotiable Instruments Act, the cause of action arises

- (a) On each presentation of cheque
- (b) On the date of dishonour
- (c) When the drawer of the cheque fails to make payment of the amount to the payee within 15 days of the receipt of the notice
- (d) None of the above

- प्र.क्र.84 जहाँ कि चैक, कम्पनी की ओर से जारी किया गया और यदि केवल डायरेक्टर्स को ही अभियुक्त बनाया गया, वहाँ
- (अ) परिवाद पोषणीय नहीं है, क्योंकि कम्पनी को आरोपी के रूप में शामिल नहीं किया गया है
- (ब) परिवाद पोषणीय है।
- (स) कम्पनी के विरुद्ध परिवाद पोषणीय नहीं है।
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

- Que. When a cheque issued on behalf of company and if only the directors were arrayed as an accused then
- (a) Complaint is not maintainable since the company is not arrayed as an accused
- (b) Complaint is maintainable
- (c) Complaint is not maintainable against the company
- (d) None of the above

- प्र.क्र.85 निम्नलिखित में से कौन से कथन सत्य व सही है?
- (अ) परिवादी की मृत्यु की दशा में परिवाद का उपशमन नहीं होता है और उचित व्यक्ति कार्यवाही को जारी रख सकता है
- (ब) आरोपी की मृत्यु की दशा में कार्यवाही उपशमित हो जाती है और विधिक वारिसों को अभियोजित नहीं किया जा सकता।
- (स) (अ) व (ब) दोनों
- (द) ना तो (अ) ना (ब)

- Que. Which of the following propositions are true and correct?
- (a) On the death of the complainant the complaint does not abate and the proper person can continue the proceedings.
- (b) On the death of the accused the proceedings will abate and the legal heirs cannot be prosecuted
- (c) Both (a) and (b)
- (d) Neither (a) nor (b)

M.P. LAND REVENUE CODE

- प्र.क्र.86 भूमि स्वामी के द्वारा अपने अधिकारों का परित्यजन किया गया माना जावेगा—
- (अ) यदि वह भूमि पर दो वर्ष तक खेती नहीं करता है।
- (ब) यदि वह भू—राजस्व अदा नहीं करता है।
- (स) यदि वह गांव में अपने सामान्य निवास स्थान को छोड़कर चला जाता है।
- (द) उपरोक्त सभी शर्तें एक साथ विद्यमान होनी चाहिए

- Que. When a Bhumiswami is deemed to abandoned his rights-
- (a) If he has ceased to cultivate his holdings for two years
- (b) If he has not paid the land revenue
- (c) If he has left the village of his usual residence

(d) All above three conditions should exist together.

- प्र.क्र.87 म.प्र. भू-राजस्व संहिता:- यदि भूमि का अंतरण धारा 165(4)(क) के उपबंधों के उल्लंघन में किया जाता है, तब विहित उच्चतम सीमा से उपर भूमि-
- (अ) राज्य सरकार को समपहृत हो जायेगी।
 - (ब) राज्य सरकार को अधिहरित हो जायेगी।
 - (स) अंतरक को वापस कर दी जायेगी।
 - (द) अंतर्ती से कतिपय राशि जमा कराकर उसको रखने की अनुमति प्रदान की जा सकती है।

- Que. M.P.L.R.C. :- If a transfer of land is made in contravention of Section 165(4)(a) then excess of the prescribed ceiling limit shall -
- (a) Stand forfeited to the state government
 - (b) Stand confiscated to the state government
 - (c) Be returned to the state government
 - (d) May be permitted to retain by the transferee on deposit of certain amount.

- प्र.क्र.88 म.प्र. भू-राजस्व संहिता के अन्तर्गत, प्रत्येक भूधृति पर निर्धारित लगान या राजस्व प्रथम प्रभार होगा :-
- (अ) राजस्व न्यायालय की डिक्री पर
 - (ब) व्यवहार न्यायालय की डिक्री पर
 - (स) स्वामी के वेतन पर
 - (द) उसके लगान, लाभ या उपज पर

- Que. Under M.P.L.R.C., the revenue or rent assessed on each holding shall be first charge :-
- (a) On a decree of a Revenue Court
 - (b) On a decree of a Civil Court
 - (c) On salary of the owner
 - (d) on rents, profits or produce thereof

- प्र.क्र.89 खसरा या क्षेत्रपुस्तक तथा भू अधिकार एवं ऋण पुस्तिका में अन्तर्विष्ट प्रविष्टियों में कोई अंतर होने की दशा में उस अंतर के संबंध में कौन विनिश्चय कर सकेगा ?
- (अ) तहसीलदार
 - (ब) कलेक्टर
 - (स) सिविल न्यायालय
 - (द) उपखण्ड अधिकारी

- Que. Who may, in case of any difference between the entries contained in the Khasra or Field book and the Bhoo Adhikar avam Rin Pustika, decide the same ?
- (a) Tehsildar
 - (b) Collector

- (c) Civil Court
(d) Sub-Divisional Officer

- प्र.क्र.90 पद "किसी भी समय" को म.प्र. उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ द्वारा परिभाषित किया गया है
(अ) रणवीर सिंह (मृत) द्वारा विधिक उत्तराधिकारी वि. मध्य प्रदेश राज्य
(ब) रूपेश यादव वि. मध्य प्रदेश राज्य
(स) श्रीमती पुष्पकांता और अन्य वि. मध्य प्रदेश राज्य
(द) मुंशी वि. नायब तहसीलदार
- Que. The expression "at any time" is defined by full bench Judgment of M.P. High Court in the case of
(a) Ranveer Singh (dead) through L. Rs. vs The State Of Madhya Pradesh
(b) Rupesh Yadav vs The State Of Madhya Pradesh
(c) Smt. Pushpkanta & another vs The State Of Madhya Pradesh
(d) Munshi Vs. Nayab Tehsildar

M.P. ACCOMMODATION CONTROL ACT

- प्र.क्र.91 निम्नलिखित में से किस मामले में म.प्र. उच्च न्यायालय (पूर्ण पीठ) ने यह प्रतिपादित किया है कि वाक्यांश "उसके व्यवसाय" के उदारपूर्ण निर्वचन के लिए गुंजाइस है जिससे कि उसे 'पति या पत्नी और परिवार के निकट आश्रित सदस्य' को म.प्र. स्थान नि. अधि. की धारा-2(इ) में शामिल किया जा सके—
(अ) कमला बाई (श्रीमती) वि. श्रीमती प्रीति रायजादा
(ब) हमीदा बेगम (श्रीमती) व अन्य वि. चम्पा बाई जैन व अन्य
(स) हरविर सिंह वि. श्री किशन सिंह तोमर व अन्य
(द) बद्रीलाल (श्री) वि. श्रीमती सीता बाई (मृत) द्वारा वैध प्रतिनिधि बिरदी चंद जोशी व अन्य
- Que. In which of the following cases, it has been laid down by the M.P. High Court (Full Bench) that there is a scope for a liberal interpretation of the phrase "his business" so as to include the business of spouse and a closely dependent member of the family covered by Section-2(e) of the M.P. Accommodation Control Act ?
(a) Kamlabai (Smt.) vs. Smt. Preeti Raizada
(b) Hameeda Begam (Smt.) & others vs. Champabai Jain & others.
(c) Harveer Singh vs. Shri Kishan Singh Tomar & others.
(d) Badrilal (Shri) vs. Smt. Sitabai (Dead) through L. Rs. Birdichand Josi & others.

- प्र.क्र.92 म.प्र. स्थान नियंत्रण अधिनियम :- "वॉय" एवं "जेड" के संयुक्त स्वामित्व के मकान में "एक्स" किरायेदार है। विभाजन में यह मकान "वॉय" के हिस्से में आता है और "वॉय" अपनी सदभावी आवश्यकता के आधार पर वाद लाता है। "एक्स" को अपना निष्कासन से बचने के अनुक्रम में यह अभिवचनित और प्रमाणित करना चाहिये कि विभाजन –
(अ) दिखावटी है

- (ब) का किरायेदारी पर कोई प्रभाव नहीं है
- (स) विधिक रूप से किया ही जा नहीं सकता
- (द) उसकी सहमति के बिना शून्य है

Que. M.P. Accommodation Control Act:- "X" is the tenant in a house owned by "Y" and "Z" jointly. On partition the house comes in share of "Y" and "Y" files a suit on his bonafide requirement. "X" in order to avoid his eviction should plead and prove that the partition --

- (a) Is sham
- (b) has no effect on tenancy
- (c) could not be legally made
- (d) Without his consent is void

प्र.क्र.93 यदि धारा-13(6) म.प्र. स्थान नियंत्रण अधिनियम के तहत भू-स्वामी की प्रतिरक्षा काट दी गई हो तब वह

- (अ) आगामी कार्यवाहियों में भाग नहीं ले सकता।
- (ब) केवल लिखित-कथन दायर कर सकता है
- (स) लिखित-कथन दे सकता है किन्तु साक्ष्य नहीं दे सकता
- (द) वादी के गवाहों की प्रतिपरीक्षा कर सकता है तथा तर्क कर सकता है

Que. If defence of Landlord is struck out u/s 13(6) M.P. Accommodation Control Act, he

- (a) Can not participate in further proceeding
- (b) Can only file written statement
- (c) Can file written statement but can't lead evidence
- (d) Can cross examine plaintiff witness & advance arguments.

प्र.क्र.94 म.प्र. उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ द्वारा किस मामले में यह निर्धारित किया गया कि नगर निगम का सेवानिवृत्त कर्मचारी, धारा 23 J, म.प्र. स्थान नियंत्रण अधिनियम के तहत परिभाषित भू-स्वामी की श्रेणी में नहीं आता है।

- (अ) गुलाब बाई वि. सुभाष चंद्रा- 2013 (3) एमपीएलजे 434
- (ब) केशर बाई वि. चुनूलाल -2014 नवीनतम केसलों 15 एस.सी.
- (स) त्रभुवनशंकर वि. अमृतलाल - 2013 नवीनतम केसलों 784 एस.सी.
- (द) तारा चंद वि. सागरबाई @ छैयलीबाई- 2007 नवीनतम केसलों 419 एस.सी.

Que. In which of the Full Bench Judgment of M.P. High Court it has been held that retired employee of Municipal corporation does not fall within the definition of landlord u/s 23J of M.P. Accommodation Control Act

- (a) Gulab Bai vs. Subhash Chandra- 2013 (3) MPLJ 434
- (b) Keshar Bai vs. Chhunulal -2014 Latest Caselaw 15 SC
- (c) Tribhuvanshankar vs. Amrutlal - 2013 Latest Caselaw 784 SC
- (d) Tara Chand vs. Sagarbai @ Chaiyalibai - 2007 Latest Caselaw

419 SC

प्र.क्र.95 म.प्र. स्थान नियंत्रण अधिनियम की धारा 12 (1)(f) के तहत संस्थित वाद में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि भू-स्वामी से ऐसी अपेक्षा रखना अनुचित होगा कि जब तक सद्भावनापूर्ण आवश्यकता के आधार पर वाद विनिश्चित नहीं हो जाता तब तक उसका पुत्र बिना कुछ किए बैठा रहे।

(अ) हुकुम चंद वि. नेमी चंद

(ब) श्यामसिंह वि. मुल्याबाई

(स) श्रीमती अफसर आरा वि. फहीम अहमद कुरैशी

(द) बी. जॉनसन बर्नार्ड वि. सीएस नायडू

Que. In a suit filed u/s 12(1)(f) of M.P. Accommodation Control Act Hon'ble Apex Court has held that it would be inappropriate to expect that the son of Landlord would sit idle without doing any work till the petition is decided on Landlord's bonafide need

(a) Hukum Chand vs. Nemi Chand

(b) Shyamsingh vs. Mulyabai

(c) Smt. Afsar Ara vs. Fahim Ahmed Qureshi

(d) B. Johnson Bernard vs. C.S Naidu

MEDICAL JURISPRUDENCE

Que.96 Best method for identification of human is

(a) Blood grouping

(b) Dactylography

(c) Anthropometry

(d) Gustafson's formula

Que.97 What is not found in ante-mortem lacerate wounds -

(a) Coagulated blood is absent

(b) Signs of healing present

(c) enzyme activity present

(d) None of above

Que.98 On examination of X-ray skull of a man the closer of Sagittal suture has started. The approximate age is-

(a) 20-30 years

(b) 25-30 years

(c) 30-35 years

(d) 40-45 years

Que.99 Sodium Pentothal or Sodium Amytal are used for -

- (a) Diatom test.
- (b) Narco test.
- (c) Polygraph test.
- (d) Pipe test.

Que.100 Marsh's Test is conducted to decide-

- (a) paternity
- (b) death due to drowning
- (c) the presence of arsenic
- (d) none of the above

-----XX-----